# बालमन

Powered by Teachers of Bihar

फ़रवरी-2023 अंक-2

## प्रखंड: चाँद

## जिला: कैमूर

प्रधान संपादक

प्रमोद कुमार" निराला "

Pramod Kumar- +91 9661547325 Dheeraj Kumar- +91 9431680675

+91 7250818080 info@teachersofbihar.org |

wwww.teachersofbihar.org teachersofbihar@gmail.com

# कार्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ)

शिक्षा भवन, भागीरथी मुक्ताकाश मंच भभुआ,
(मो०-8544411411 email-deokaimur.edn@gmail.com)

## "शुभकामना संदेश"

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न स्तर पर करने के उद्देश्य से **"बाल मन कैमूर"** पत्रिका का मासिक प्रकाशन किया जा रहा है।

इस प्रकार के प्रकाशन, बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

आशा है कि इस पत्रिका से बच्चे, शिक्षक एवं समाज में सकारात्मक सोच विकसित होगा।

मैं सुमन शर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर इस उपयोगी लेखन के लिए बधाई देते हुए **"बाल मन कैमूर"** के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(सुमन शर्मा)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
कैमूर (भभुआ)

# टीचर्स ऑफ बिहार गीत

एम आर चिश्ती

चांद तारों को साथ लाएंगे,
हम बहारों को साथ लाएंगे।

जैसे आती नहीं नज़र दुनिया,
हम बनाएंगे वो हसीं दुनिया,
हौसला और अपनी मंज़िल से,
सब नज़ारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

प्रेम की रोशनी जो बिखेरेगी
और प्रतिभा सबकी निखेरेगी,
खींच लेंगे गगन से हम धनुष
बहते धारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

हम हैं निर्माता अपने भारत के,
पूरे करने हैं सपने भारत के
हम कलम के वही सिपाही है
जो हजारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे....

हमने माना, टीचर्स ऑफ़ बिहार
दीप ऐसा जलाएगा इस बार,
हम नवाचारी शिक्षा की रह में
बेसहारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...



# Teachers of Bihar

The change makers

## विश्व के धरोहर एवं रोचक तथ्य

### विश्व के धरोहर

#### मोगाओ गुफ़ाएँ

मोगाओ गुफाएँ *(Mogao Caves)*, जिन्हें हज़ार बुद्धों की गुफाएँ *(Caves of the Thousand Buddhas)* भी कहते हैं, पश्चिमी चीन के गान्सू प्रांत के दूनहुआंग शहर से २५ किमी दक्षिणपूर्व में स्थित एक पुरातत्व स्थल है। रेशम मार्ग पर स्थित इस नख़्लिस्तान (ओएसिस) क्षेत्र में ४९२ मंदिरों का एक मंडल है। इनमें १००० वर्षों के काल में गुफ़ाएँ खोदी गई। सबसे पहली गुफाएँ ३६६ ईसापूर्व में बौद्ध चिंतन और पूजा के लिए स्थान बनाने के लिए बनाई गई थी। सन् १९०० में एक गुफा में बहुत से दस्तावेज़ों का एक भण्डार मिला जो ११वीं शताब्दी में चुनवा के बंद कर दिया गया था। इसे 'पुस्तकालय गुफा' कहा जाने लगा और इसकी सामग्री दुनिया भर में बंट गई। मोगाओ की बहुत सी गुफाएँ पर्यटकों के लिए खुली हैं और यहाँ हर वर्ष बहुत से सैलानी घूमने आते हैं।

### रोचक तथ्य

दुनिया का सबसे महंगा होटल रामबाग पैलेस , जयपुर में है । यहां एक रात बिताने के *7,50,000* चुकाने होते है।

अमरेन्द्र कुमार
डिस्ट्रिक्ट मेंटर (TOB)
रोहतास
*09/02/2023*

Madhu priya

# सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,

नमस्कार

वसंत ऋतु फूलों का मौसम, सुगंध, सुंदरता विखेरता, रंगीन तितलियों के साथ वातावरण हरा- भरा बच्चों को खिलते मौसम में पतंग उड़ाने की कला से वातावरण शोभनीयऔर रमणीय हो जाता है। साथ ही आपकी रचनात्मक कला देखकर अपार खुशी होती हैं। हम सभी बाल मंन टीम सदैव आपकी प्रतिभा को सम्मानित करते हैं।

पत्रिका के द्वितीय अंक को समर्पित करते हुए हमें बहुत खुशी हो रही है। आप सभी बच्चे अपने- अपने विद्यालय में निरंतर नवाचार करते रहें। साथ ही अपने अंदर के बाल कलाकार को बाहर आने दे, आपके पास कोई कला है तो उसको हम तक जरूर पहुंचाएं।

आप सभी को हमारे बाल मन चांद कैमूर की टीम बेहतर से बेहतर कार्य करने के लिए सदा प्रयत्नशील है अनजाने में कोई भूल या त्रुटि हुई है तो उसके लिए हम क्षमा प्रार्थी हैं। आपके उज्जवल भविष्य की कामना के साथ।

आपका

प्रमोद कुमार

क.म. वि.चांद

# सहयोगकर्ता सदस्य

1-उदय पाण्डेय मध्य विद्यालय चांद

2-मो.असलम मध्य विद्यालय चांद

3-प्रीति कुमारी उत्क्रमित मध्य विद्यालय धोबहा

4-मीरा कुमारी उत्क्रमित मध्य विद्यालय भलुहारी

5-मोनी कुमारी कन्या मध्य विद्यालय चांद

6-सुमन सिंह पटेल कन्या मध्य विद्यालय चांद

# प्रेरक प्रसंग

## *!! मुट्ठी भर मेंढ़क !!*

बहुत समय पहले की बात है।किसी गाँव में मोहन नाम का एक किसान रहता था।वह बड़ा मेहनती और ईमानदार था।अपने अच्छे व्यवहार के कारण दूर-दूर तक लोग उसे जानते थे और उसकी तारीफ करते थे।पर एक दिन जब देर शाम वह खेतों से काम कर लौट रहा था तभी रास्ते में उसने कुछ लोगों को बाते करते सुना, वे उसी के बारे में बात कर रहे थे।

मोहन अपनी तारीफ सुनने के लिए उन्हें बिना बताये धीरे-धीरे उनके पीछे चलने लगा, पर उसने उनकी बात सुनी तो पाया कि वे उसकी बुराई कर रहे थे।कोई कह रहा था कि, "मोहन घमण्डी है।" तो कोई कह रहा था कि, "सब जानते हैं वो अच्छा होने का दिखावा करता है..."

मोहन ने इससे पहले सिर्फ अपनी तारीफ सुनी थी पर इस घटना का उसके दिमाग पर बहुत बुरा असर पड़ा और अब वह जब भी कुछ लोगों को बाते करते देखता तो उसे लगता वे उसकी बुराई कर रहे हैं।यहाँ तक कि अगर कोई उसकी तारीफ़ करता तो भी उसे लगता कि उसका मजाक उड़ाया जा रहा है।धीरे-धीरे सभी ये महसूस करने लगे कि मोहन बदल गया है और उसकी पत्नी भी अपने पति के व्यवहार में आये बदलाव से दुःखी रहने लगी और एक दिन उसने पूछा, "आज-कल आप इतने परेशान क्यों रहते है?कृपया मुझे इसका कारण बताइये।

मोहन ने उदास होते हुए उस दिन की बात बता दी. पत्नी को भी समझ नहीं आया कि क्या किया जाए पर तभी उसे ध्यान आया कि पास के ही एक गाँव में एक सिद्ध महात्मा आये हुए हैं और वो बोली, "स्वामी, मुझे पता चला है कि पड़ोस के गाँव में एक पहुंचे हुए संत आये हैं।चलिये हम उनसे कोई समाधान पूछते हैं." अगले दिन वे महात्मा जी के शिविर में पहुंचे।

मोहन ने सारी घटना बतायी और बोला, महाराज उस दिन के बाद से सभी मेरी बुराई और झूठी तारीफ करते हैं, कृपया मुझे बताइये कि मैं वापस अपनी साख कैसे बना सकता हूँ!" महात्मा मोहन की समस्या समझ चुके थे।

"पुत्र तुम अपनी पत्नी को घर छोड़ आओ और आज रात मेरे शिविर में ठहरो.", महात्मा कुछ सोचते हुए बोले।

मोहन ने ऐसा ही किया, पर जब रात में सोने का समय हुआ तो अचानक ही मेढ़कों के टर्र-टर्र की आवाज आने लगी।मोहन बोला, "ये क्या महाराज यहाँ इतना कोलाहल क्यों है ?"
"पुत्र, पीछे एक तालाब है।रात के वक़्त उसमें मौजूद मेंढ़क अपना राग अलापने लगते हैं!"
"पर ऐसे में तो कोई यहाँ सो नहीं सकता?," मोहान ने चिंता जताई।
"हाँ बेटा, पर तुम ही बताओ हम क्या कर सकते हैं, हो सके तो तुम हमारी मदद करो", महात्मा जी बोले।
मोहन बोला, "ठीक है महाराज, इतना शोर सुन के लगता है इन मेंढ़कों की संख्या हज़ारों में होगी।मैं कल ही गांव से पचास-साठ मजदूरों को लेकर आता हूँ और इन्हें पकड़ कर दूर नदी में छोड़ आता हू।." और अगले दिन मोहन सुबह-सुबह मजदूरों के साथ वहाँ पंहुचा, महात्मा जी भी वहीं खड़े सब कुछ देख रहे थे।

तालाब ज्यादा बड़ा नहीं था। 8-10 मजदूरों ने चारों ओर से जाल डाला और मेंढ़कों को पकड़ने लगे... थोड़ी देर की ही मेहनत में सारे मेंढ़क पकड़ लिए गए।

जब मोहन ने देखा कि कुल मिला कर 50-60 ही मेंढ़क पकड़े गए हैं तब उसने माहत्मा जी से पूछा, "महाराज, कल रात तो इसमें हज़ारों मेंढ़क थे, भला आज वे सब कहाँ चले गए, यहाँ तो बस मुट्ठी भर मेंढ़क ही बचे हैं।"

महात्मा जी गम्भीर होते हुए बोले, "कोई मेंढ़क कहीं नहीं गया, तुमने कल इन्हीं मेंढ़कों की आवाज सुनी थी।ये मुट्ठी भर मेंढ़क ही इतना शोर कर रहे थे कि तुम्हें लगा हज़ारों मेंढ़क टर्र-टर्र कर रहे हों।
पुत्र, इसी प्रकार जब तुमने कुछ लोगों को अपनी बुराई करते सुना तो भी तुम यही गलती कर बैठे, तुम्हें लगा कि हर कोई तुम्हारी बुराई करता है. पर सच्चाई ये है कि बुराई करने वाले लोग मुट्ठी भर मेंढ़क के सामान ही थे।इसलिए अगली बार किसी को अपनी बुराई करते सुनना तो इतना याद रखना कि हो सकता है ये कुछ ही लोग हों जो ऐसा कर रहे हों और इस बात को भी समझना कि भले तुम कितने ही अच्छे क्यों न हो ऐसे कुछ लोग होंगे ही होंगे जो तुम्हारी बुराई करेंगे।"

अब मोहन को अपनी गलती का अहसास हो चुका था, वह पुनः पुराना वाला मोहन बन चुका था.

शिक्षा:-
मित्रों, मोहन की तरह हमें भी कुछ लोगों के व्यवहार को हर किसी का व्यवहार नहीं समझ लेना चाहिए और सकारात्मक सोच से अपनी ज़िन्दगी जीनी चाहिए. हम कुछ भी कर लें पर जीवन में कभी ना कभी ऐसी समस्या आ ही जाती है जो रात के अँधेरे में ऐसी लगती है मानो हज़ारों मेंढ़क कान में टर्र-टर्र कर रहे हों. पर जब दिन के उजाले में हम उसका समाधान करने का प्रयास करते हैं तो वही समस्या छोटी लगने लगती है. इसलिए हमें ऐसी परिस्तिथि में घबराने के बजाये उसका उपाय खोजने का प्रयास करना चाहिए और कभी मुट्ठी भर मेंढ़कों से घबराना नहीं चाहिए.

# नन्हे कलाकार भाग 1

# नन्हे कलाकार भाग 2

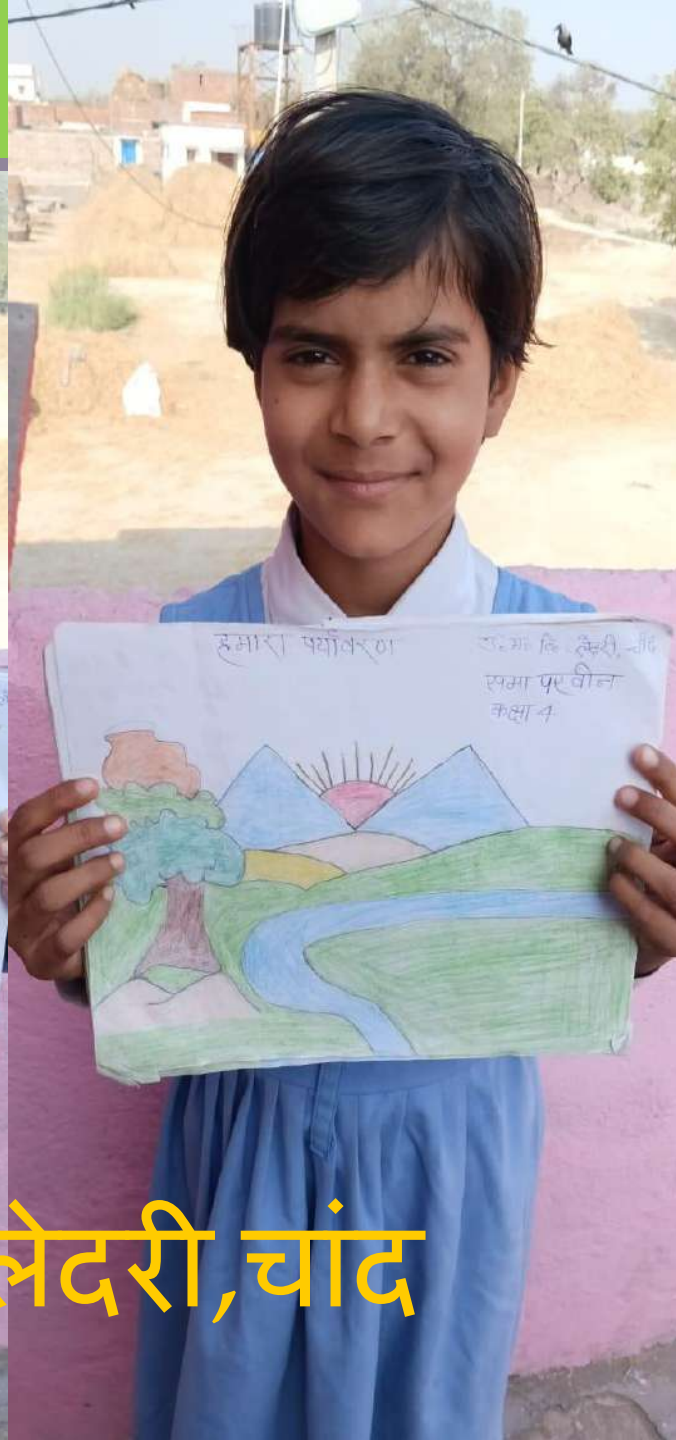


उत्क्रमित मध्य विद्यालय लेदरी,चांद कैमूर

# नन्हे कलाकार भाग 3

उत्क्रमित मध्य विद्यालय लेदरी चांद कैमूर

मध्य विद्यालय चांद कैमूर

मध्य विद्यालय कोनहरा चांद कैमूर

## 🤔😳अजब - गजब😳🤔

1-सुबह सूर्य की रोशनी में रहने से तनाव और चिंता कम होती है।

2- जो लोग ज्यादा सोचते है, उन्हे समय पर नींद नहीं आती है।

3- हम जैसे कपड़े पहनते है उसका सीधा प्रभाव हमारे दिनभर के मूड पर होता है।

4- दुनिया में एक ऐसा भी आइलैंड है जहां केवल एक घर और एक पेड़ है,जिसका नाम " जस्ट इनफ रूम "हैं।

5- मोबाइल पर 15 अंको का नंबर IMEI (international mobile equipment identity) में शुरुआती 8 अंक ये बताते है की इस मॉडल को कहां बनाया गया है।

# रोचक गणित

गणित में 9 को पहाड़ा लिखने का आसन तरीका है -

सबसे पहले दहाई स्थान पर क्रमश: 0,1,2,3,4,5,6,7,8 और 9 रखते है।

इसी प्रकार इकाई के स्थान पर क्रमश :
9,8,7,6,5,4,3,2,1 और 0 रखते है।

अब यदि दहाई और इकाई के अंक को क्रमश : मिलाते हुए लिखे तो....
09,18,27,36,45,54,63,72,81 और 90 प्राप्त होता है जो की 9 के पहाड़ा को दर्शाता है।

9×1= 09
9× 2=18
9× 3=27
9× 4=36
9× 5=45
9× 6=54
9× 7=63
9× 8=72
9× 9=81
9× 10=90

पहेलियां-

1-वह क्या है जिसे जितना बांटो उतना बढ़ता है।

2-कमरकस के कोने में पड़ी, इसकी जरूरत हर घर में पड़ी।

सही उत्तर --

1-शिक्षा।  2-झाड़ू

संजीत कुमार वर्ग-6

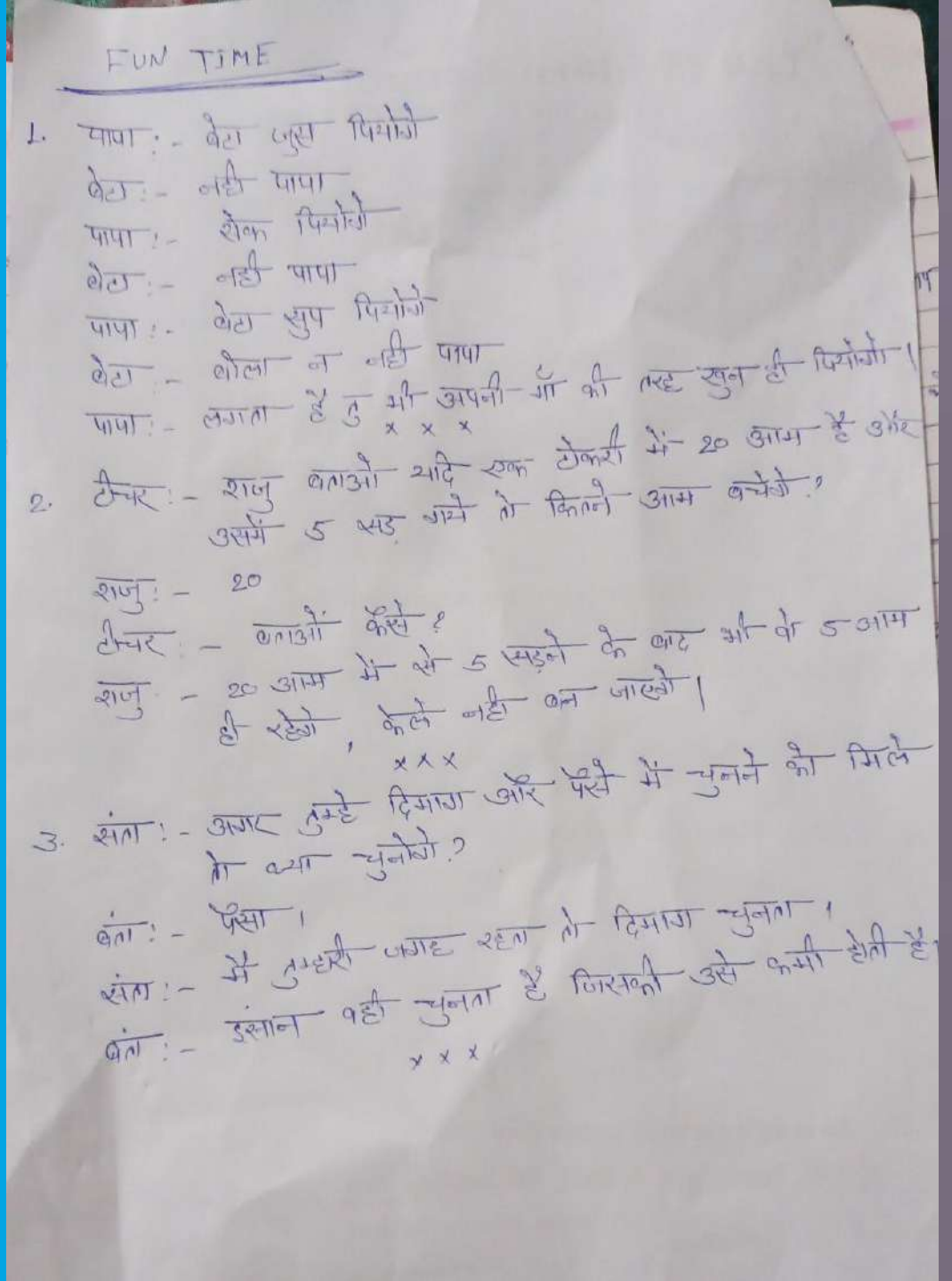
FUN TIME

1. पापा :- बेटा जूस पियोगे
बेटा :- नहीं पापा
पापा :- शेक पियोगे
बेटा :- नहीं पापा
पापा :- बेटा सूप पियोगे
बेटा :- बोला न नहीं पापा
पापा :- लगता है तुम भी अपनी माँ की तरह सुन ही पियोगे।

× × ×

2. टीचर :- शजु बताओ यदि एक टोकरी में 20 आम है और उसमें 5 सड़ गये तो कितने आम बचेंगे?
शजु :- 20
टीचर :- बताओ कैसे?
शजु :- 20 आम में से 5 सड़ने के बाद भी वे 5 आम ही रहेंगे, केले नहीं बन जायेंगे।

× × ×

3. संता :- अगर तुम्हे दिमाग और पैसे में चुनने को मिले तो क्या चुनोगे?
बंता :- पैसा।
संता :- मैं तुम्हारी जगह रहता तो दिमाग चुनता।
बंता :- इसलिए वही चुनना है जिसकी उसे कमी होती है।

× × ×

# चेतना सत्र

## उत्क्रमित मध्य विद्यालय धोबहा चांद कैमूर

# पेटिंग ऑफ द मंथ

# आपके पेंटिग भाग 2

नव्या वर्ग3 बड़हरिया चांद कैमूर

उर्मिला वर्ग7 बड़हरिया चांद कैमूर

शुभम वर्ग7बडहरिया चांद कैमूर

पिंकी वर्ग8 बड़हरिया चांद कैमूर

# आपके पेंटिग भाग 3

# आपके पेंटिंग भाग 4

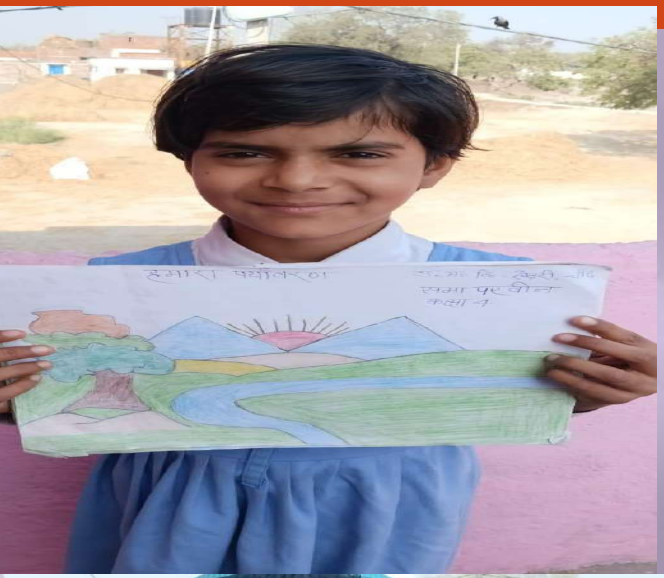

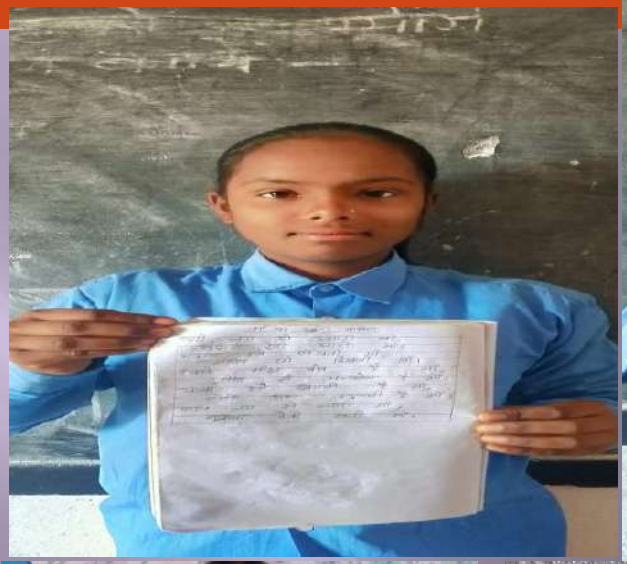

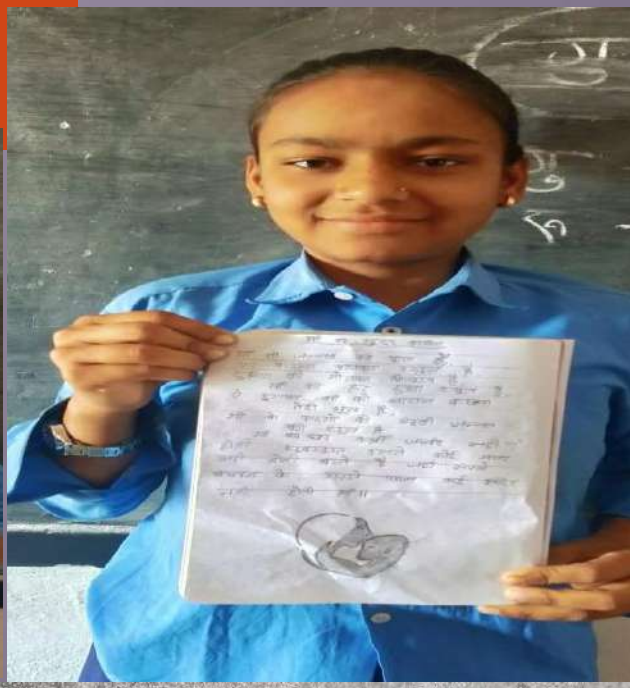

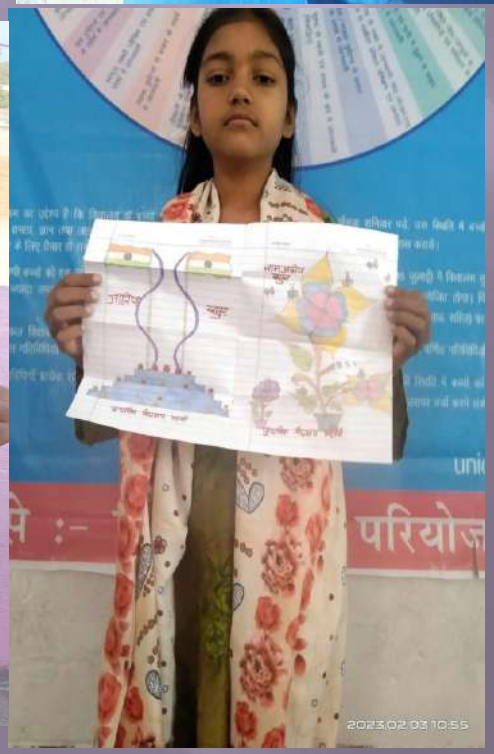

# आपके पेंटिंग भाग 5

संगीता कुमारी वर्ग 5
प्रा.वि.सिंहोरिया चांद कैमूर

समा परवीन वर्ग4
उ.म.वि.लेदरी चांद कैमूर

उ.म.वि.चौरी चांद कैमूर

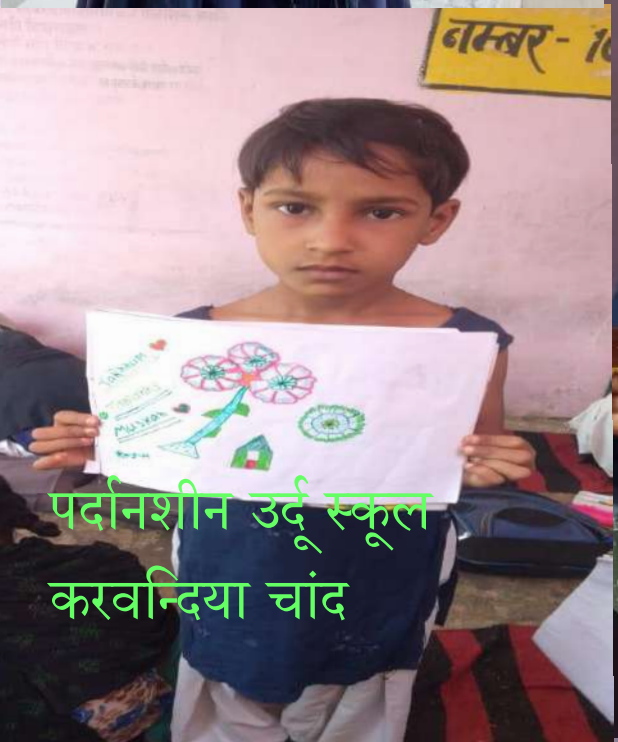

पर्दानशीन उर्दू स्कूल
करवन्दिया चांद

उ.म.वि.चौरी चांद
कैमूर

पर्दानशीन उर्दू
स्कूल
करवन्दिया चांद

# बैगलेस शनिवार

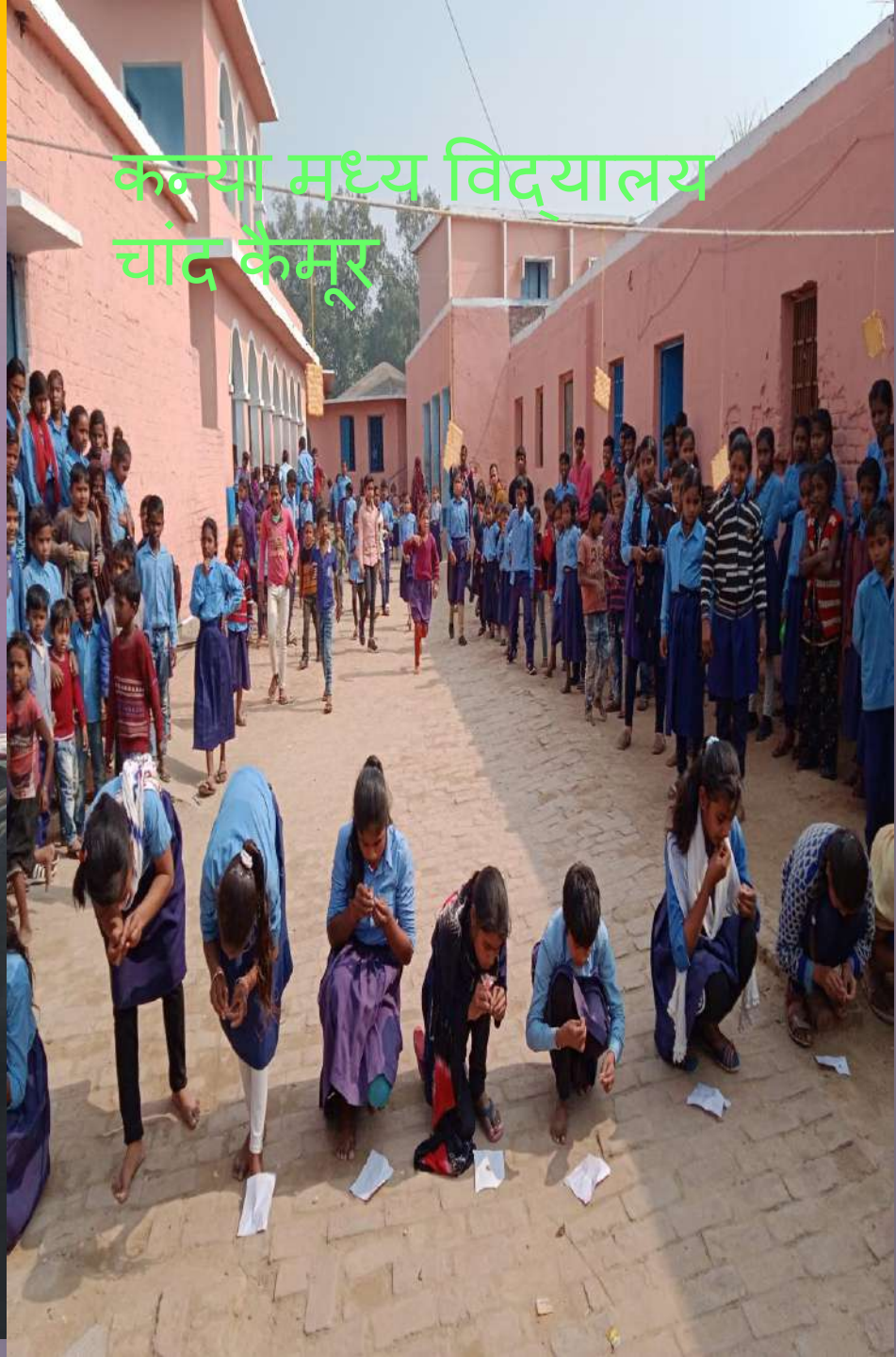

# बैगलेस शनिवार

म.वि.गेहुआ
चांद कैमूर

# Art of the month

# पेन और पैंसिल आर्ट

Urdu PS karwandiya
Chand kaimur

बुनियादी मध्य विद्यालय
अइलाय चांद कैमूर

Urdu PS
karwandiya
Chand
kaimur

Urdu PS karwandiya
Chand kaimur

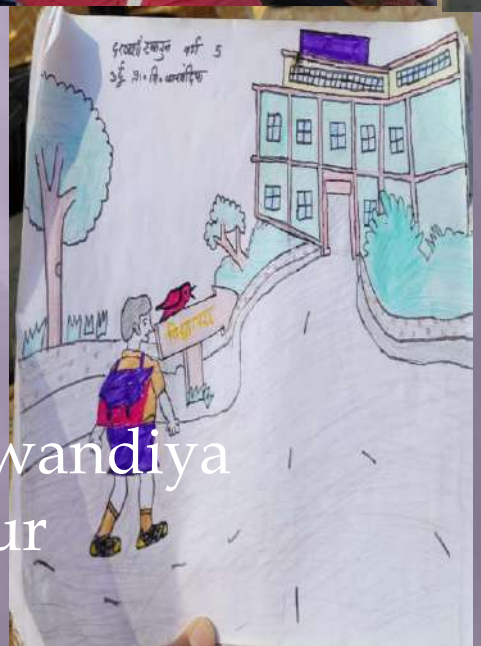

Buniyadi MS ailay
Chand Kaimur

Urdu PS
karwandiya
Chand kaim

# कविता

बच्चों के भविष्य को, सजाते हैं शिक्षक।
ज्ञान के प्रकाश को, जलाते हैं शिक्षक।।
सही गलत के फर्क को, बताते हैं शिक्षक।
शिष्यों को सही शिक्षा, दे पाते हैं शिक्षक।।
ऊंचे शिखर पर शिष्यों को, चढ़ाते हैं शिक्षक।
बच्चों के जीवन में, निखार लाते हैं शिक्षक।।

टिम्शीकुमारी
मध्य विद्यालय चांद कैमूर

भूल गया है क्यों इंसान , भूल गया है क्यों इंसान।
सबकी है मिट्टी की काया ,सब पर नभकी निर्मल छाया।।
यहां नहीं है कोई आया ,ले विशेष वरदान।
भूल गया है क्यों इंसान, भूल गया है क्यों इंसान।।
धरती ने मानव उपजाया ,मानव ने ही देश बनाया।
बहु देशों में बसी हुई है, एक धरा संतान।।
भूल गया है क्यों इंसान, भूल गया है क्यों इंसान।।
देश अलग है ,देश अलग हो ।
वेश अलग है ,वेश अलग हो।। मानव का मानव से
लेकिन, अलग न अंतर प्राण।

कुमारी अन्नू सिंह वर्ग6 कन्या मध्य विद्यालय

प्यारी जग से न्यारी मां, खुशियां देती सारी मां।
चलना हमें सिखाती मां, मंजिल हमें दिखाती मां।।
सबसे मीठा बोल है मां, दुनिया से अनमोल है मां।
खाना हमें खिलाती है मां, लोरी गाकर सुनाती है

भलुहारी चांद कैमूर

देखो -देखो स्कूल खुला है, चलो पढ़ाई करने को।
झगड़ा छोड़ो वक्त नहीं है, अभी लड़ाई करने को।।
आ इ ई उ ऊ ए ऐ हमको,पढ़ने जाना है।
पढ़कर ABCD हमको ,आगे पढ़ते जाना है।।
यह लिखकर ही लोग मिलेंगे, हमें पढ़ाई करने को।
झगड़ा छोड़ो वक्त नहीं है, अभी लड़ाई करने को।।
अनपढ़ नहीं रहेंगे अब, अपना ज्ञान बढ़ाना है।
बात यही समझ कर हमको, सबको यह यही समझाना है।।

# खेल कॉर्नर/योग सीखे

## आओ योग सीखें..... भुजंगासन

भुजंगासन को इंग्लिश में कोबरा पोज कहा जाता है। बच्चों की बॉडी तो फ्लैक्सिबल होती हैं, लेकिन अगर छोटी उम्र से ही बच्चों को योग करने की आदत डालें, तो आगे चलकर भी उनकी बॉडी फ्लैक्सिबल रह सकती है।

भुजंगासन के लिए निम्नलिखित स्टेप्स फॉलो करें। जैसे:

स्टेप 1- सबसे पहले योगामैट बिछा समतल जमीन पर बिछा लें।

स्टेप 2- अब बच्चे को पेट के बल लिटाएं।

स्टेप 3- अब दोनों हाथों को कमर के पास थोड़ा आगे रखें।

स्टेप 4- अब हथेलियों से जोड़ लगाकर शरीर के ऊपरी हिस्से को ऊपर की ओर उठायें।

स्टेप 5- अब 5 से 6 सेकेंड के लिए इसी स्थिति में बच्चे को रहने के लिए कहें। भुजंगासन बच्चे 3 से 4 बार कर सकते हैं।

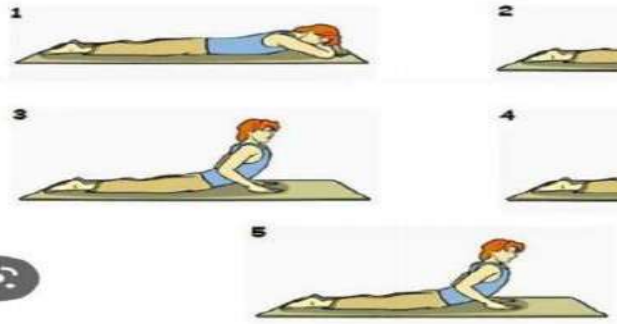


## बैडमिंटन में प्रथम

| उपलब्धि | खिलाड़ी |
|---|---|
| ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप जीतने वाले पहले भारतीय | प्रकाश पादुकोण |
| विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप जीतने वाली और एक सुपर सीरीज टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय (इंडोनेशिया ओपन 2009 जीत कर) | साइना नेहवाल |
| बी डब्लू एफ (BWF) विश्व रैंकिंग में विश्व नंबर 1 स्थान पाने वाली पहली भारतीय महिला | साइना नेहवाल |
| बी डब्लू एफ (BWF) विश्व रैंकिंग में विश्व नंबर 1 स्थान पाने वाले पहले भारतीय | प्रकाश पादुकोण |
| ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप जीतने वाले पहले भारतीय | प्रकाश पादुकोण |
| ओलंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी | साइना नेहवाल |
| विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप जीतने वाले और सुपर सीरीज टूर्नामेंट जीतने वाले पहले भारतीय (इंडोनेशिया ओपन जीतकर)। | साइना नेहवाल |
| बी डब्लू एफ (BWF) वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय | पी. वी. सिंधू |

# कहानी

नदी के किनारे एक बुढ़ा बाघ हाथ में सोने का कंगन लिए स्नान कर बैठा था। वह सोच रहा था कि रास्ते में उसे कोई मिल जाए। रास्ते में उसने एक पथिक को जाते हुए देखा और उसे रोका। पथिक वहीं पर रुक गया। बाघ बोला हे पथिक तुम इस सोने के कंगन को ग्रहण कर लो। पथिक बोला तुम जैसा हिंसक जानवर पर हम कैसे विश्वास कर ले। बाघ बोला जब मैं बुड्ढा नहीं था तो मैंने अनेक गायों और मनुष्यों को मारा है जिसके कारण मैं वंशहीन हो गया हूं। देखो मेरे नख और दांत भी गल गए हैं तो फिर तुम मुझ पर विश्वास कर सकते हो। फिर घोड़ा बाघ ने पति को को महाभारत में हुए युद्ध कौरव और पांडवों के बीच जो कृष्ण ने अर्जुन को बतायाथा ।वह बूढ़े बाघ ने पथिक को सुनाया। पथिक को उस बूढ़े बाघ पर विश्वास हो गया उसने कंगन लेने के लिए हाथ बढ़ाया। लेकिन बाघ ने कहा कि तुम्हें पहले स्नान करना होगा तब तुम इस कंगन को धारण कर सकते हो। पथिक स्नान करने जा ही रहा था कि वह दलदल में फंस गया। बाघ ने बोला मैं तुम्हारी मदद के लिए आ रहा हूं तुम चिंता मत करो। बुढा बाघ पथिक की ओर बढ़ा और उसे मार दिया।

इस कहानी से शिक्षा मिलती है की लालच नहीं करना चाहिए।

कुमारी अन्नू सिंह
वर्ग 6
कन्या मध्य विद्यालय चांद कैमूर

पहाड़ और पोखरे के आस-पास मनोरम दृश्य वाले वातावरण में एक बहुत ही प्यारा गांव था। उस गांव में एक हरी मोहन नाम का मेहनती आदमी रहता था। वह सुबह रोज चिड़ियों को दाना देता था इस प्रकार सभी चिड़िया उसकी दोस्त बन गई थी। एक बार गर्मी के दिनों में उसके घर के आस-पास आग लग गई। घर के बगल में जिस पेड़ पर चिड़िया रहती थी उन्होंने आग को जलते हुए देखा तो सभी चिड़िया चिंतित हो गई। तभी एक बुड्ढे चिड़िया ने सभी चिड़ियों को अपनी राय बताई कि अभी हरिमोहन घर पर नहीं है तो हमारी जिम्मेदारी है कि आग बुझाने मे सभी चिड़िया सहयोग करें। तब सब चिड़िया का झूडअपनी चोच से पानी लेकर आता और उस पानी से आग बुझाने की कोशिश करता। वही बगल में एक कौवा खड़ा होकर यह सब देख रहा था ।कौवा चिड़ियों से बोला अरे !पगली, तुम कितनी भी मेहनत कर लो तुम्हारे बुझाने से आग नहीं बुझेगी। चिड़िया बोली हमें पता है कि हमारे बुझाने से आग नहीं बुझेगी लेकिन जब भी इस आग का जिक्र होगा तो हमारी गिनती आग बुझाने वालों में होगी और तुम्हारी गिनती तमाशा देखने वालों में। चिड़ियों के चहचहाने से सभी अड़ोस -पड़ोस के लोग देखकर आश्चर्यचकित हुए और वह सब अपनी बाल्टी पानी लेकर आए और आग बुझाने लगे। चिड़िया और लोगों के अथक प्रयास से आग अंततः बुझ गई। राम मोहन को जब जानकारी प्राप्त हुई तो वह बहुत खुश हुआ और

# माथा पच्ची

1 मिनट में 5 नदी का नाम खोजें और बन जाइए जीनियस।

| G | Y | A | M | U | N | A | H | L | C |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| A | U | M | B | A | I | O | A | T | G |
| N | K | T | N | S | O | N | R | A | O |
| G | O | D | A | W | A | R | I | I | M |
| A | S | W | D | E | L | A | I | N | T |
| I | I | B | H | I | T | T | K | N | I |
| N | E | W | K | A | W | E | R | I | J |

# विज्ञान कॉर्नर

रिया
कुमारी
वर्ग7 कन्या
मध्य
विद्यालय
चांद कैमूर

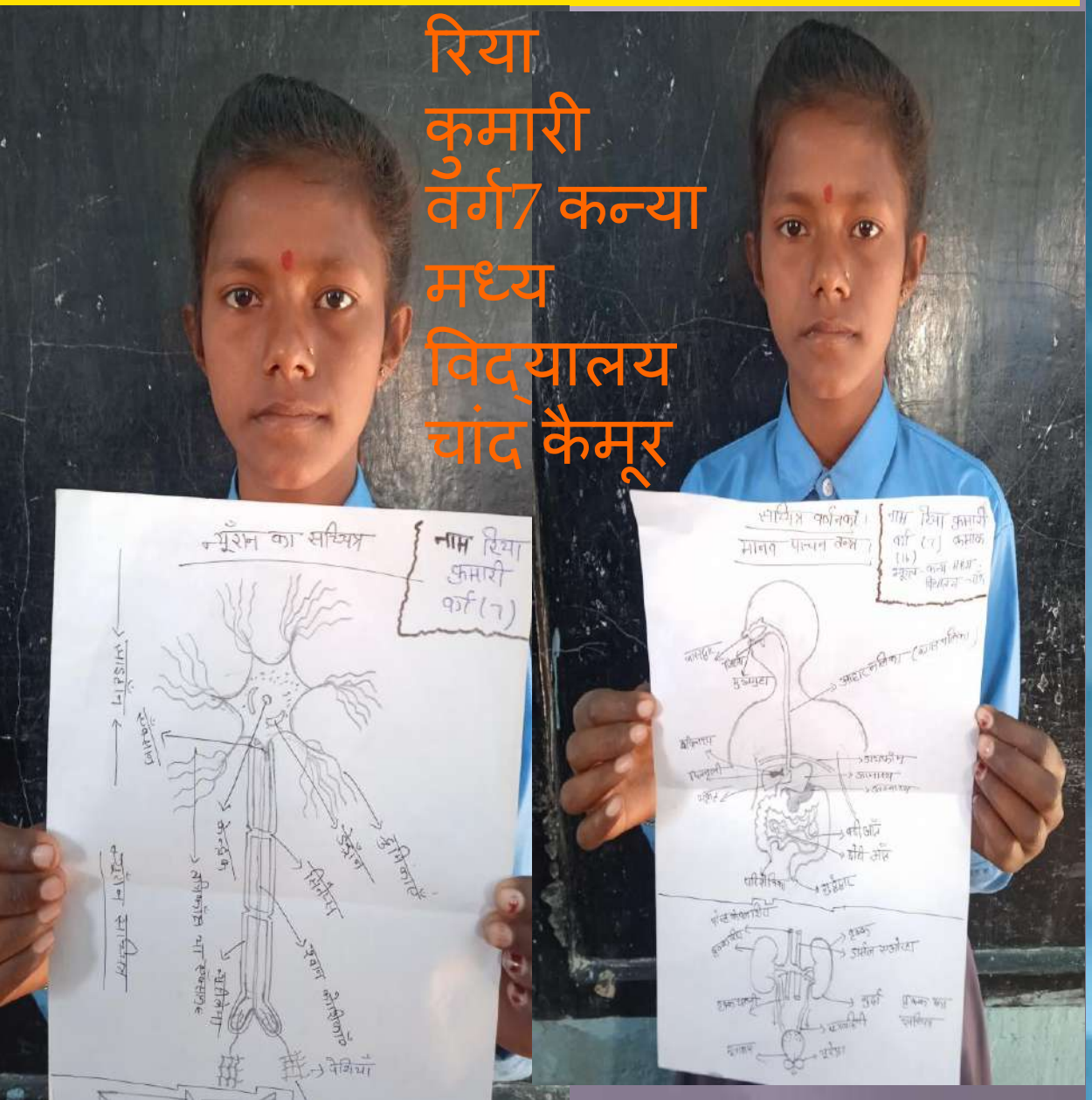

# फोटो ऑफ द मंथ (भाग 1)

U.M.S.Baheriya

N.P.S.Bheri

N.P.S.Bheri

G.M.S.Chand

# फोटो ऑफ द मंथ (भाग 2)

# फोटो आफ द मंथ भाग 3

# योगाभ्यास

दीपशिखा शारीरिक शिक्षक
उ.म.वि.पाढी

# TEACHER OF THE MONTH

नाम-परमानंद सिंह
जन्मदिन-15दिसम्बर1966
जन्म स्थान-चांद, कैमूर (बिहार)
मैट्रिक-हाई स्कूल रामगढ़ ,कैमुर (बिहार)
इंटर-उदय प्रताप कॉलेज वाराणसी (उत्तर प्रदेश)
स्नातक-बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (उत्तर प्रदेश)
परास्नातक-बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (सांख्यिकी)
शैक्षणिक प्रशिक्षण-बी.टी.सी. फजलगंज ,सासाराम, रोहतास (बिहार)
नियुक्ति- 1994 (बी.पी.एस.सी.)
कार्यरत-उत्क्रमित मध्य विद्यालय धोबहा, चांद, कैमूर

# चहक

## कन्या मध्य विद्यालय

# चहक भाग 2

# खुद को परखें ( सामान्य ज्ञान )

## भारत में प्रथम महिला

1. भारत की प्रथम महिला लोकसभा अध्यक्ष कौन है ?
2. भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री का क्या नाम है ?
3. भारत की प्रथम महिला राष्ट्रपति का क्या नाम है ?
4. भारत की प्रथम आदिवासी महिला राष्ट्रपति कौन है ?
5. भारत के किसी राज्य की प्रथम महिला मुख्यमंत्री का क्या नाम है ?

## भारत में प्रथम

6. भारत के प्रथम प्रधानमंत्री का क्या नाम है ?
7. भारत के प्रथम राष्ट्रपति का क्या नाम है ?
8. भारत के प्रथम मुस्लिम प्रधानमंत्री का क्या नाम है ?
9. भारत की प्रथम शिक्षामंत्री का क्या नाम है ?
10. भारत के प्रथम गृहमंत्री का क्या नाम है ?

# जीवन गाथा

महात्मा गाँधी का जन्म 2 अक्टूबर सन् 1869 ई० को गुजरात राज्य के पोरबन्दर नामक स्थान पर हुआ। महात्मा गाँधी का पूरा नाम मोहनदास करमचंद गाँधी था। उनके पिता का नाम करमचंद गाँधी था। उनकी माता का नाम पुतलीबाई दयालु महिला थी। बापू ने कानून की शिक्षा इंग्लैण्ड में प्राप्त की। बापू ने हमें सत्य अहिंसा तथा देश प्रेम का पाठ सिखलाया है। इनका जीवन बहुत ही सादा तथा सरल था। उन्होंने 15 अगस्त सन् 1947 में हम भारतीयों को अंग्रेजों की दासता से मुक्त कराया। रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने इनका नाम महात्मा रखा। महात्मा गाँधी को हमारे भारत वासी अभी भी राष्ट्रपिता कहकर पुकारते हैं। गाँधी जी ने बहुत से आन्दोलन किये। जैसे → चम्पारण सत्याग्रह, खेड़ा आन्दोलन, रौलेट एक्ट, असहयोग आन्दोलन आदि आन्दोलन कीये।

गाँधी जी का मृत्यु 30 जनवरी सन् 1948 ई० को नाथूराम गोड़से ने कीया। इसी के याद में हम भारत वासी 30 जनवरी को शहीद दिवस मनाते हैं।

नाम → कुमारी अन्नु सिंह

कक्षा → 6 क्रमांक → 31

स्कूल → कन्या, मध्य, विद्यालय चाँद

## पंडित जवाहर लाल नेहरू का जीवनी

→ पंडित जवाहरलाल नेहरू भारत के महान नेता थे। वे हमारे देश के प्रथम प्रधानमंत्री थे। उनका जन्म 14 नवम्बर 1889 ई.पी. को इलाहाबाद में हुआ। मोतीलाल नेहरू उनके पिता थे। और स्वरूप रानी उनकी माता थी। कमला नेहरू उनकी पत्नी थी। श्रीमती इंदिरा गाँधी उनकी एकमात्र संतान थी। जवाहरलाल नेहरू ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा घर पर प्राप्त की। उसके बाद उन्होंने हैरो और कैंब्रिज में शिक्षा पाई। तब वे वकील बने। लेकिन उन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए अपने पेशों को त्याग दिया। उन्होंने स्वाधीनता संग्राम में सक्रीय भूमिका अदा की। वे अनेक बार जेल गए। जब भारत ने आजादी प्राप्त की, तो वे हमारे देश के प्रथम प्रधानमंत्री बने। उनका निधन 27 मई 1964 ई०पी० को हुआ उनके निधन पर अत्यधिक शोक प्रकट किया गया। जवाहरलाल नेहरू शांति के महान प्रेमी थे, वे महान राजनीतिज्ञ, ~~वक्ता~~ वक्ता, विद्वान और लेखक थे। वे बच्चे के बड़े स्नेही थे। बच्चे उनको प्यार से चाचा नेहरू कहते थे। जब 14 नवम्बर को उनका जन्मदिन आया तो बच्चे ने जिद कर कर उनका जन्मदिन मनाय लेकिन चाचा नेहरू ने इसे बालदिवस के रूप में मनाया हमलोग उनको कभी नहीं भुलेंगे जय हिन्दी जय भारत

समाप्त

Nisha Kumari Rool [illegible]

## मेरे प्रिय शिक्षक

शिक्षक को भगवान से ऊपर माना जाता है। शिक्षक एक मोमबत्ती की भाँती हमारे जीवन मे रोशनी लाते है। शिक्षक विद्यार्थी के अंदर सहनशीलता, अनुशासित जीवन जीना, सही, गलत अच्छे बूरे में फर्क करना सिखाते है। मेरे स्कूल में कई शिक्षक है। और सभी मुझे बहुत पसंद है। लेकिन उन सब मे मेरे सबसे प्रिय शिक्षक है। हमारे कक्षा शिक्षक वे हमे हिंदी पढ़ाते है। उनका व्यक्तित्व बहुत प्रभावी है। साथ ही उनके पढ़ाने का ढग बाकी शिक्षको से अलग है उनका पढ़ाया हुआ पाठ्यक्रम मे कभी नहीं नही भूलता। उनका बाहरी व्यक्तित्व जितना सुंदर और आकर्षक है। उतना ही उनका स्वभाव अच्छा और मिलनसार है। वो सभी विद्यार्थीयो के साथ समान व्यवहार करते है। और उनकी हर परेशानी दूर करते है। छात्र जो भी सवाल पूछते है। वे उनका मुस्कुराकर जवाब देते है। वो बच्चो के साथ घूल मिल जाते है। पढ़ाए गए विषय को पुनः मुझे हिंदी विषय शुरुवात में कठिन लगता था लेकिन जबसे हमारे कक्षा शिक्षक हिंदी पढ़ाने लगी है। तबसे ये मेरी पसंदीदा विषय बन गया है। मैं बहुत भाग्यशाली हूँ, मुझे ये शिक्षक मिले है। मे उनका बहुत आदर करती हूं। मै उन्हे भगवान की जगह रखती हूं। आज मे जो भी हूँ, मेरे शिक्षक के वजह से हूं।

नाम → रूबी कुमारी गुप्ता / कक्षा → (6) क्रमांक (24)

स्कूल का नाम = राजकिय कृत मध्य विद्यालय चाँद

# झंडोत्तोलन

GMS Chand kaimur

UMS jigana Chand kaimur

UMS ledari Chand kaimur

UMSPadhi Chand kaimur

# झण्डोतोलन भाग 2

UMS Dulahi Chand Kaimur

UMS Bhaluari Chand kaimur

UMS jigana Chand kaimur

UMSBhrari Chand kaimur

UMS Kilani Chand kaimur

UMS pateri Chand kaimur

# दक्ष प्रतियोगिता

शिक्षा परियोजना, कैमूर (भभुआ)
दक्ष
2022-23
दक्ष खेल-कूद प्रतियोगिता- 2022-23"
खण्ड : चाँद, जिला : कैमूर
जगजीवन स्टेडियम, भभुआ (कैमूर)
दिनांक : 27-29 जनवरी 2023


बिहार शिक्षा परियोजना, कैमूर (भभुआ)
दक्ष
2022-23

# बालिका दिवस

आंगनबाड़ीऔर पाढ़ी चांद कैमूर

कन्या मध्य विद्यालय चांद कैमूर

# महापुरुष

## भारत कोकिला सरोजिनी नायडू

WD Webdunia

'भारत कोकिला' के नाम से प्रसिद्ध श्रीमती सरोजिनी नायडू का जन्म 13 फरवरी 1879 को हैदराबाद में हुआ था। उनके पिता का नाम अघोरनाथ चट्टोपाध्याय था, जो एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक और शिक्षाशास्त्री थे। उनकी माता का नाम वरद सुंदरी था, वे कवयित्री थीं और बंगला

सरोजिनी नायडू ने गांधीजी के अनेक सत्याग्रहों में भाग लिया और 'भारत छोड़ो' आंदोलन में वे जेल भी गईं। 1925 में वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कानपुर अधिवेशन की प्रथम भारतीय महिला अध्यक्ष बनीं। वे उत्तरप्रदेश की गवर्नर बनने वाली पहली महिला थीं। वे 'भारत कोकिला' के नाम से जानी गईं।

## श्री मोरारजी देसाई

24 मार्च, 1977 – 28 जुलाई, 1979 | जनता पार्टी

श्री मोरारजी देसाई का जन्म 29 फ़रवरी 1896 को भदेली गाँव, जो अब गुजरात के बुलसर जिले में स्थित है, में हुआ था। उनके पिता एक स्कूल शिक्षक थे एवं बेहद अनुशासन प्रिय थे। बचपन से ही युवा मोरारजी ने अपने पिता से सभी परिस्थितियों में कड़ी मेहनत करने एवं सच्चाई के मार्ग पर चलने की सीख ली। उन्होंने सेंट बुसर हाई स्कूल से शिक्षा प्राप्त की एवं अपनी मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण की। तत्कालीन बंबई प्रांत के विल्सन सिविल सेवा से 1918 में स्नातक की डिग्री प्राप्त करने बाद उन्होंने बारह वर्षों तक डिप्टी कलेक्टर के रूप में कार्य किया।

1930 में जब भारत में महात्मा गाँधी द्वारा शुरू किया गया

बाद में सर्वसम्मति से उन्हें संसद में जनता पार्टी के नेता के रूप में चुना गया और **24 मार्च, 1977 को उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली।**

# सांस्कृतिक कार्यक्रम

U.M.S.Pateri Chand

U.M.S.Chanda Chand

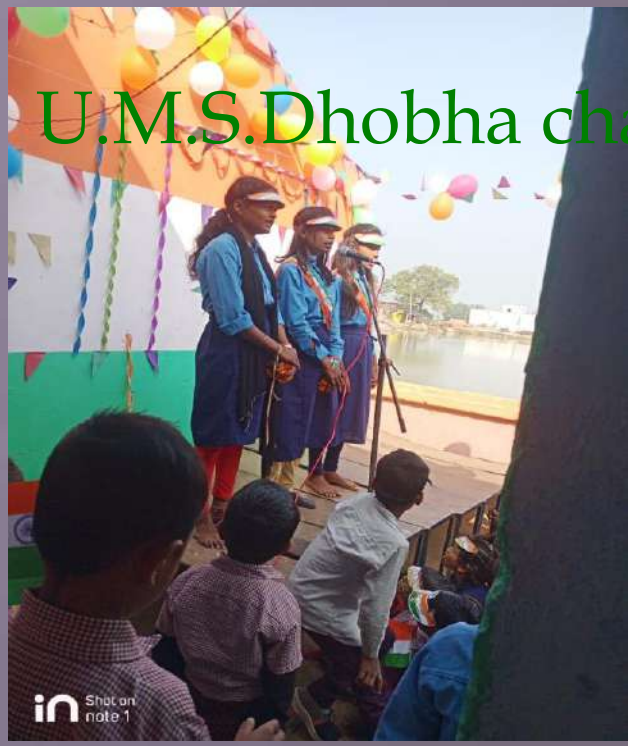

U.M.S.Dhobha cha

U.M.S.Dhobha chand

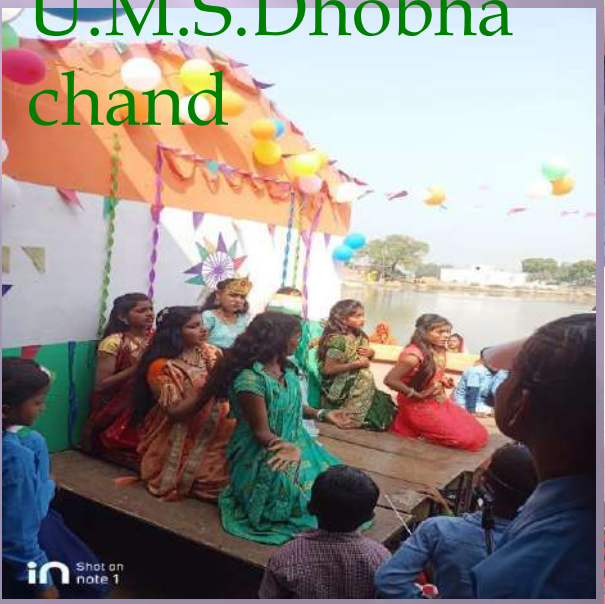

U.M.S.Bairi chand

U.M.S.Chanda Chand

आप अपने सुझाव और जवाब मोबाइल 9661547325 पर दे सकते है।

**Thank you**